देखिये नन्हे पौधे
कैसे सींचे जा रहे हैं
बैल हो गए हैं बच्चे
बोझ खिंचे जा रहे हैं
माँ बाप की चाहत हैं
की असमा में चमके एक दिन
पर ये नही जानते
उनके तारे और नीचे जा रहे हैं

— दिव्यांश पाठक

YourQuote.in